तापमान
अधिकतम 42.8°c
न्यूनतम 29.6°c

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

नगर में आज

- गोयल क्रिकेट क्लब व एबीसी टीम के बीच सुबह 8 बजे मैच
- हरियाणा रोडवेज यूनियन की कर्मचारी भवन में सुबह 11 बजे बैठक
- वार्ड 14 में सुबह 8 बजे सफाई अभियान।

आखिर शुरू हुई नालों की सफाई

सोनीपत रोड, गौकर्ण, वसंत विहार व रामगोपाल कॉलोनी में अभियान

10 ट्राली गाद निकाली पहले बड़े नालों की सफाई





हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बारिश का पानी सड़कों पर नहीं, नालों के रास्ते बह सके, इसके लिए आखिरकार नगर निगम ने मानसून से पहले सफाई अभियान तेज कर दिया है। कई दिनों से टेंडर और तैयारियों तक सीमित रहा अभियान अब जमीन पर उतरने लगा है। शनिवार से सोनीपत रोड और गौकर्ण क्षेत्र के बड़े नालों की जेसीबी मशीनों से सफाई शुरू कर दी गई। प्रशासन का दावा है कि पहले बड़े नालों की सफाई पूरी की जाएगी, ताकि बरसात के दौरान पानी की निकासी बाधित न हो। वहीं, जुलाई के पहले सप्ताह में मानसून के दस्तक देने की संभावना को देखते हुए उपायुक्त ने 30 जून तक जिले के सभी नालों और ड्रेनों की सफाई पूरी करने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम ने हाल ही में शहर को चार जोन में विभाजित कर करीब एक करोड़ रुपये की लागत से नालों की सफाई का टेंडर जारी किया था। अब ठेकेदार ने मशीनों और कर्मचारियों के साथ कार्य शुरू कर दिया है।

डीसी ने दिए थे 30 तक सभी नालों और ड्रेन की सफाई करवाने के आदेश

हाल में चार जोन के लिए एक करोड़ में किया गया टेंडर

निगरानी करेंगे अधिकारी

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार सफाई कार्य की निगरानी की जाएगी और जहां जरूरत होगी वहां अतिरिक्त मशीनें भी लगाई जाएंगी। उन्होंने लोगों से भी अपील की है कि नालों में कूड़ा या निर्माण सामग्री न डालें, इससे पानी निकासी प्रभावित होती है और बरसात में जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है। मौसम विभाग का अनुमान सही रहा और जुलाई के पहले सप्ताह में मानसून पहुंच गया तो अगले कुछ दिन नगर निगम और जन स्वास्थ्य विभाग के लिए सबसे महत्वपूर्ण होंगे। ऐसे में प्रशासन की कोशिश है कि 30 जून तक अधिकतम नालों और ड्रेनों की सफाई पूरी कर शहर को बारिश के लिए तैयार किया जा सके।


नालों की सफाई के नाम पर कॉस्मेटिक क्लीनिंग

रोहतक। 27 जून के अंक में प्रकाशित खबर।

पिछले साल हो गया था जलभराव

पिछले वर्षों में मानसून के दौरान शहर के कई हिस्सों में जलभराव की समस्या सामने आती रही है। विशेषकर मुख्य सड़कें, बाजार और निचले इलाके घंटों तक पानी में डूबे रहते हैं। इस बार प्रशासन समय रहते सफाई अभियान पूरा करने का दावा कर रहा है।

जेसीबी से नालों की सफाई करवाई : नगर निगम

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार बड़े नालों में वर्षों से जमा गाद और कचरा निकालने के लिए जेसीबी मशीनों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे सफाई कार्य तेजी से पूरा किया जा सके। पहले ही दिन कंपनी के कर्मचारियों ने जेसीबी की मदद से दस ट्राली गाद निकाली है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि अभियान की शुरुआत सोनीपत रोड और गौकर्ण क्षेत्र से इसलिए की गई है क्योंकि यहां के बड़े नाले बरसात के दौरान शहर के बड़े हिस्से का पानी निकालते हैं। इसके बाद अन्य जोनों के प्रमुख नालों की सफाई भी चरणबद्ध तरीके से कराई जाएगी।

क्या कर रही स्वीपिंग मशीनें

नगर निगम के पास दो स्वीपिंग मशीनें और एक सुपर सकर मशीन है, लेकिन दिनभर यह मशीनें नगर निगम के रंगशाला में स्थित कार्यालय के बाहर ही खड़ी रहती हैं। लोगों का कहना है कि यह मशीनें अब रात को भी कहीं दिखाई नहीं देती।

जन स्वास्थ्य विभाग ने सीवर की सफाई शुरू की

दूसरी ओर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग भी अपनी जिम्मेदारी निभाने में जुट गया है। विभाग ने कई कॉलोनियों में सीवर लाइनों की सफाई शुरू कर दी है ताकि बरसात के दौरान सीवर ओवरफ्लो की समस्या कम हो सके। अधिकारियों का कहना है कि नालों और सीवरों की सफाई समानांतर रूप से कराई जा रही है, जिससे जल निकासी व्यवस्था बेहतर बनी रहे।

17 लाख ठगे, गिरोह के 5 आरोपी पकड़े

रोहतक। साइबर थाना पुलिस ने कंपनी मालिक की फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल बनाकर 17 लाख की ठगी करने वाले गिरोह के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी को अदालत में पेश किया गया है। बसंत विहार निवासी दिनेश की शिकायत पर साइबर थाने में मामला दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया कि 8 जनवरी को आरोपियों ने कंपनी के मालिक की फर्जी व्हाट्सएप प्रोफाइल बनाकर कंपनी के मैनेजर को संदेश भेजा। खुद को मीटिंग में व्यस्त बताते हुए तत्काल 17 लाख बैंक खाते में ट्रांसफर करने के निर्देश दिए गए। मैनेजर ने कंपनी मालिक का आदेश समझकर बताए गए खाते में 17 लाख भेज दिए। जांच सहायक उपनिरीक्षक अजय ने जांच के दौरान 16 जून को महाराष्ट्र निवासी राहुल और राजहंस को गिरफ्तार किया गया। 21 जून को बंगाल के सुभेन्दु व कोलकाता निवासी राहुल, आदित्य और सुमित को गिरफ्तार कर लिया गया।

साइबर ठगी में दो गिरफ्तार

रोहतक। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने बैंक कर्मी बनकर 2.29 लाख से अधिक की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश किया। कलानौर निवासी जगपाल ने शिकायत में बताया कि 8 जनवरी को मोबाइल पर एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को योनो बैंक का मैनेजर बताया। आरोपी ने योनो ऐप में समस्या की बात कहकर व्हाट्सएप पर फॉर्म भेजा। खाते की जानकारी हासिल कर अलग-अलग ट्रांजैक्शन से खाते से कुल 2,29,660 निकाल लिए। जांच पीएसआई अनिल ने की। जांच के दौरान 23 जून को बिहार निवासी अमरनाथ और बंगाल निवासी सुभेन्दु को गिरफ्तार किया गया।

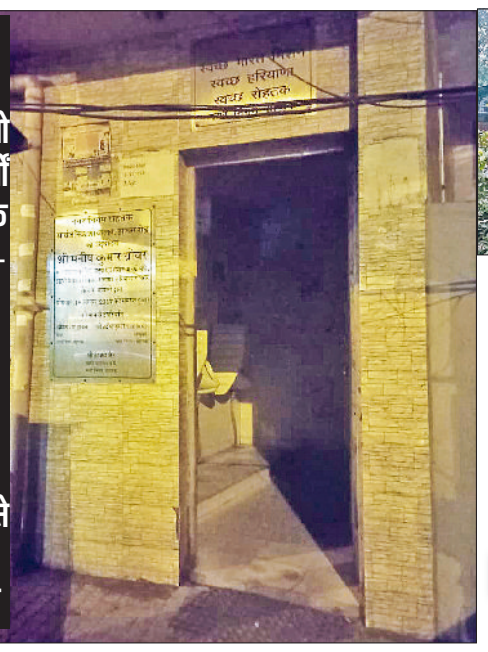
GANGA INSTITUTE OF TECHNOLOGY AND MANAGEMENT
AN AUTONOMOUS INSTITUTE
Approved by AICTE | Affiliated to MDU, Rohtak
JHAJJAR (DELHI-NCR)
NAAC A GRADE
NBA ACCREDITED BY NATIONAL BOARD OF ACCREDITATION
B.TECH ME, ECE and MBA
Industry Oriented Curriculum
Degree Conferred by MDU, Rohtak
GITAM is among the BEST ENGINEERING INSTITUTES OF THE COUNTRY !
RANKED #16 In North India
RANKED #38 Pvt. Institutes in India
RANKED #39 Across India
RANKED #46 Placement Across India
Times Engineering Institute Ranking Survey-2026
Ganga Centre for Skill and Entrepreneurship Development
(An Industry Inside the Institute)
Technology Providers
DASSAULT SYSTEMES ptc Mastercam Ansys
Rs. 40 Crores
= ADMISSIONS OPEN 2026-27 =
B.TECH B.TECH (LEET)
Fire Technology and Safety
CSE, CSE (AI & ML), CSE (DS)
ECE, Electrical
Civil, Mechanical
OTHER UG & PG COURSES
M.TECH | MBA | BBA | MCA
BCA | M.ARCH | B.ARCH
M.PLAN | M.ED | B.ED
COURSES FOR WORKING PROFESSIONALS (in Flexible Timings)
B.TECH
Fire Tech. & Safety / CSE/ Electrical/Civil
M.TECH
CSE / Structural Design
MBA | MCA
MEGA JOB FAIR
11th July, 2026
Register
For more details
Call: 8684000389 /906
SCHOLARSHIP TEST
GITAM
SCHOLARSHIP -CUM- ADMISSION TEST
19th July, 2026
11:00 am Onwards
FREE REGISTRATION FOR TEST
GANGA INSTITUTE OF ARCHITECTURE & TOWN PLANNING (GIATP)
9654292905 / 9015115120 | www.architectureganga.com
GANGA INSTITUTE OF EDUCATION (GIE)
8684000916 | www.gangainstituteofeducation.com
Admission Enquiry 8684000891 / 892 / 893 / 906 / 9654292946 | www.gangainstitute.com

TATA की पेशकश

आपकी जीत।
भारत की जीत।
सोना एक्सचेंज करने की पारदर्शी प्रक्रिया जो आपको अपने पुराने सोने का बेहतरीन मूल्य देती है और भारत को सोने का आयात कम करने में मदद करती है।
यही है एक #WinWinGoldExchange
36 लाख भारतीयों ने पाया अपने पुराने सोने का बेहतरीन मूल्य
0% फ्लैट 0% कटौती* किसी भी ज्वेलर से लिए गए पुराने सोने (9 कैरट जितना कम) के एक्सचेंज पर।
₹ किसी भी ज्वेलर से लिए गए पुराने सोने का कैश में बेहतरीन मूल्य पाइए (9 कैरट जितना कम)।
कोई छिपी कटौती नहीं
साल भर एक्सचेंज की सुविधा
नए गोल्ड और डायमंड डिज़ाइन्स घर लाइए
शादी, त्यौहारों और खास मौकों के लिए एक्सचेंज करें
TANISHQ — GOLD EXCHANGE
Talk to our jewellery expert to know more 1800 2966 677 Buy online at tanishq.co.in or Download our App *Conditions apply, For T&C visit our website. -
नया शोरूम :- मानसरोवर पार्क के पास, दिल्ली रोड, रोहतक टेली : 1800 891 1250

ट्रेजरी कार्यालय में बना शौचालय पिछले तीन सालों से पड़ा है बंद

सार्वजनिक शौचालय बदहाल करोड़ों की सुविधाएं बनीं शोपीस







■ 17 जुलाई को समाप्त होगा रखरखाव का टेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं के दावों के बीच रोहतक शहर के अधिकांश सार्वजनिक शौचालय बदहाली का शिकार हैं। शहर के कई शौचालय या तो लंबे समय से बंद पड़े हैं या फिर उनमें मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। कहीं दरवाजे ही नहीं हैं, कहीं शौचालय बनकर तैयार होने के बावजूद आज तक लोगों के लिए नहीं खोले गए, तो कहीं पानी, बिजली और फ्लश की व्यवस्था नहीं होने के कारण उनका उपयोग करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में महिलाओं, बुजुर्गों और बाहर से आने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर निगम द्वारा सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव के लिए दिया गया मौजूदा टेंडर 17 जुलाई को समाप्त हो रहा है। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि नए टेंडर के साथ व्यवस्थाओं में सुधार होगा। हालांकि वर्तमान हालात यह सवाल खड़े करते हैं कि अब तक रखरखाव पर कितना ध्यान दिया गया।

शहर के प्रमुख स्थानों पर बने कई शौचालय वर्षों से बंद पड़े हैं। हुड्डा कॉम्प्लेक्स के पास आर्य नगर थाना के सामने बना सार्वजनिक शौचालय आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हालत यह है कि उसके मुख्य द्वार पर लगे ताले तक जंग खा चुके हैं। इसी प्रकार ट्रेजरी कार्यालय परिसर में बना शौचालय पिछले करीब तीन वर्षों से बंद पड़ा हुआ है। पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की मार्केट में बना शौचालय भी उपयोग में नहीं है, जबकि यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य लोग खरीदारी के लिए आते हैं। ऐसे में उन्हें शौचालय की सुविधा नहीं मिल पाती।

झज्जर रोड पर हालात दयनीय

झज्जर रोड पर जैन जती के सामने बने सार्वजनिक शौचालय की स्थिति भी बेहद खराब है। यहां शौचालय के दरवाजे तक नहीं हैं। इसके अलावा पानी, बिजली और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। कई अन्य स्थानों पर सिंक तो लगा दिए गए हैं, लेकिन उनमें नल नहीं लगाए गए। कहीं फ्लश सिस्टम है तो पानी नहीं, जिससे शौचालय उपयोग के बाद गंदगी बनी रहती है। कई शौचालयों में नियमित सफाई भी नहीं हो रही, जिससे बदबू और गंदगी के कारण लोग उनका उपयोग करने से बचते हैं।

सीएम दरबार में भी उठाया जा चुका मुद्दा

सार्वजनिक शौचालयों की बदहाल स्थिति को लेकर समाजसेवी जसबीर कुमार पहले भी आवाज उठा चुके हैं। उन्होंने इस मामले को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष भी रखा था और शहर के बंद व खराब पड़े शौचालयों की शिकायत की थी। इसके बावजूद अभी तक जमीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार दिखाई नहीं दे रहा है।

यह बोले पार्षद

वार्ड-7 के पार्षद कपिल नागपाल का कहना है कि नए रखरखाव टेंडर में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि प्रत्येक दो शौचालयों पर कम से कम एक कर्मचारी की नियमित नियुक्ति की जाए। उनका कहना है कि यदि सफाई और रखरखाव के लिए पर्याप्त कर्मचारी नहीं होंगे तो शौचालयों की स्थिति कभी नहीं सुधरेगी। इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ता है और लोगों का गुस्सा जनप्रतिनिधियों पर निकलता है।

मेरा शहर मेरी समस्या शहर बेहाल

बार-बार शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं

सीवर मैनहोल बने हादसों का कारण टूटे ढक्कनों से हर कदम पर खतरा



नागरिक बोले- जनस्वास्थ्य विभाग हादसे का कर रहा इंतजार मरम्मत नहीं होने के चलते बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की कॉलोनियों में सीवरेज व्यवस्था पहले से ही बदहाल है, लेकिन अब सीवर मैनहोल के क्षतिग्रस्त ढक्कन भी लोगों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गए हैं। शहर की कई प्रमुख सड़कों, कॉलोनियों और बाजारों में सीवर के ढक्कन टूटे हुए, धंसे हुए या टेढ़े पड़े हैं। कई स्थानों पर ढक्कन पूरी तरह टूट चुके हैं, जबकि कुछ जगहों पर केवल अस्थायी रूप से पत्थर या लोहे की प्लेट रखकर काम चलाया जा रहा है। इससे आए दिन दोपहिया वाहन चालक, साइकिल सवार और पैदल राहगीर हादसों का शिकार हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि जनस्वास्थ्य विभाग को कई बार शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन संबंधित अधिकारियों की ओर से केवल आश्वासन मिलता है। समय पर मरम्मत नहीं होने के कारण समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। अब मानसून का मौसम शुरू होने से खतरा और बढ़ गया है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी भरने से टूटे या खुले मैनहोल दिखाई नहीं देते, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। शहर के कई क्षेत्रों में सीवर ढक्कनों की हालत बेहद खराब है। कहीं ढक्कन टूटकर गड्ढे में बदल चुके हैं तो कहीं भारी वाहनों की आवाजाही से वे टेढ़े होकर सड़क से ऊपर उठ गए हैं। वाहन गुजरने पर ये ढक्कन हिलते हैं और तेज आवाज भी करते हैं। कई बार वाहन चालक संतुलन खो बैठते हैं, जिससे दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। विभाग को केवल शिकायत मिलने पर कार्रवाई करने के बजाय नियमित निरीक्षण करना चाहिए। यदि समय-समय पर मैनहोल की जांच हो तो दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

यहां-यहां बनी है समस्या

शहर के रेलवे रोड, शौरी मार्केट, हुड्डा कांप्लेक्स, माता दरवाजा, जींद बाईपास, लाढोत रोड, पुराना शहर, कच्चा बेरी रोड, सुखपुरा चौक, टीबी अस्पताल के सामने, गोहाना अड्डा, झंग कॉलोनी, आंबेडकर कॉलोनी, मॉडल टाउन समेत अन्य इलाकों में यह समस्या बनी हुई है।

आज तक कोई समाधान नहीं



हमारे क्षेत्र में कई महीनों से सीवर का ढक्कन टूटा हुआ है। कई बार निगम में शिकायत दी, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ। हर दिन बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा की चिंता बनी रहती है। -मनोहर लाल

बारिश के दिनों में सबसे ज्यादा परेशानी



बारिश के दिनों में सबसे ज्यादा परेशानी होती है। पानी भर जाने के बाद पता ही नहीं चलता कि नीचे गड्ढा है या सड़क। महिलाओं और बच्चों के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक है। -प्रवीण

हादसा होने के बाद ही जागता है प्रशासन

बाजार में वाहन चलते समय ढीले ढक्कन जोर-जोर से हिलते हैं। कई बार बाइक चालक गिर चुके हैं। हादसा होने के बाद ही प्रशासन जागता है, जबकि पहले ही मरम्मत होनी चाहिए। -रमेश

सीवर ढक्कनों का सर्वे कराकर तत्काल बदलना चाहिए



विभाग को शहर के सभी क्षतिग्रस्त सीवर ढक्कनों का सर्वे कराकर तत्काल बदलना चाहिए। बरसात के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। -जोगेंद्र

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

सीएम किसान व खेतिहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना का लाभ उठाएं : मलिक

■ कृषि कार्य के दौरान दुर्घटनाओं में किसानों को मिलेगी आर्थिक सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सांपला



हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा संचालित मुख्यमंत्री किसान एवं खेतिहर मजदूर जीवन सुरक्षा योजना के प्रति किसानों और खेतिहर मजदूरों को जागरूक करने के उद्देश्य से मार्केट कमेटी सांपला के चेयरमैन उदयभान मलिक ने क्षेत्रवासियों से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि यह योजना खेती-बाड़ी से जुड़े किसानों एवं खेतिहर मजदूरों को कृषि कार्य के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। योजना के तहत कृषि कार्य करते समय दुर्घटना में मृत्यु होने अथवा स्थायी या आंशिक विकलांगता की स्थिति में पात्र लाभार्थियों को हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की ओर से नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उदयभान मलिक ने कहा कि प्रत्येक किसान और खेतिहर मजदूर को इस जनकल्याणकारी योजना की जानकारी होनी चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर वह इसका लाभ ले सके। इस अवसर पर मार्किट कमेटी के वॉइस चेयरमैन हरबंस मक्कड, सदस्य राजसिंह अम्बेडकर, राजेश पिपो, प्रमोद, सचिन , राजेश शर्मा, अमित जैन आदि उपस्थित रहे।

दयावती मोदी अकादमी रोहतक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर हुई शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक



दयावती मोदी अकादमी (डीएमए) रोहतक में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और नवीन शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण सत्र में सीबीएसई प्रशिक्षक एवं ट्रांसलैम अकादमी इंटरनेशनल, मेरठ के प्रधानाचार्य श्याम तिवारी ने मुख्य वक्ता और ट्रेनर के रूप में शिरकत की। कार्यशाला के दौरान मुख्य प्रशिक्षक श्याम तिवारी ने शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख प्रावधानों, नवाचारों तथा विद्यालयी शिक्षा में इसके प्रभावी क्रियान्वयन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों में रटने की प्रवृत्ति को खत्म कर रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, कौशल विकास तथा अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। नीति के तहत शिक्षकों की भूमिका को अधिक प्रभावी और पूर्णतः विद्यार्थी-केंद्रित बनाने पर भी जोर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षकों को दक्षता-आधारित शिक्षा, समग्र मूल्यांकन, बहुभाषिकता, शिक्षण में आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग तथा 21वीं सदी के कौशलों के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया। यह कार्यशाला अत्यंत संवादात्मक रही, जिसमें विद्यालय के शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और नई शिक्षा नीति के जमीनी क्रियान्वयन को लेकर अपने प्रश्न और विचार साझा किए।विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव ढाका ने मुख्य अतिथि और प्रशिक्षक श्याम तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षित होना अनिवार्य है।

न्यूज डायरी



चौ. छोटूराम धाम में मुख्य द्वार शिलान्यास एवं अन्नदाता सम्मान समारोह का भव्य एवं सफलतापूर्वक समापन

रोहतक। दीनबंधु चौधरी छोटूराम धाम, जसिया में आज मुख्य द्वार शिलान्यास समारोह एवं अन्नदाता सम्मान समारोह श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में हरियाणा एवं दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजसेवी, शिक्षाविद, पूर्व सैनिक, किसान, युवा, मातृशक्ति, दानदाता एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन-यज्ञ के साथ हुआ, जिसके उपरांत धाम के भव्य मुख्य द्वार का विधिवत शिलान्यास किया गया। यह भव्य मुख्य द्वार महादानी नरेंद्र सिंह हुड्डा (सीएओ) द्वारा बनवाया जाएगा। उन्होंने धाम में 1 करोड़ 51 लाख की राशि दान की है। जिसमें द्वार का निर्माण भी शामिल है।

हुड्डा जनता की अदालत में जवाब दें, भाजपा ने 12 वर्षों में किए ऐतिहासिक बदलाव : शमशेर खरक



रोहतक। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा भाजपा सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल पर उठाए गए सवालों को भ्रामक बताते हुए कहा कि हरियाणा की जनता भाजपा सरकार के विकास कार्यों और सुशासन की गवाह है। यदि हुड्डा को भाजपा सरकार का एक भी काम दिखाई नहीं देता, तो यह उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। खरक ने कहा कि कांग्रेस शासन की पहचान पर्ची-खर्ची, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और क्षेत्रवाद रही, जबकि भाजपा सरकार ने पारदर्शी भर्ती, किसानों के हित, महिलाओं के सशक्तिकरण और गरीब कल्याण को प्राथमिकता दी।

सैमाण में बिजली कर्मचारियों के साथ मारपीट, दो लोगों पर केस

महम। महम थाना क्षेत्र के गांव सैमाण में बिजली कर्मचारियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस संबंध में बिजली निगम के एसडीओ ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम महम के एसडीओ संजीव मुदगिल ने बताया कि आंधी की वजह से सैमाण गांव में सिंघवा रोड पर कुछ बिजली के खंबे टूट गए थे। इन टूटे हुए खंबों को ठेकेदार की लेबर व लाइनमैन संदीप कुमार पुत्र ओमप्रकाश द्वारा खंबों को बदलने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान उनके पास एक बोलेरो गाड़ी आई। इस गाड़ी में दीपा पुत्र फूले, अशोक पुत्र बारू व अन्य दो व्यक्ति मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने साइट पर काम कर रहे कर्मचारियों के साथ हाथापाई व मारपीट और गाली गलौच किया। उन्होंने ठेकेदार की लेबर के पास खड़े ट्रैक्टर की ड्रेवॉल निकालकर उनको जान से मारने की कोशिश की। कर्मचारियों ने बड़ी मुश्किल से भागकर अपनी जान बचाई। एसडीओ संजीव मुदगिल ने पुलिस से हमलावरों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने इस संबंध में दीपा व अशोक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवाओं की लड़ाई संसद तक लड़ेंगे : इंदौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक



बघेल बोले, कॉलेजों, हॉस्टलों और पीजी तक पहुंचेगा "छात्रों की गूंज" अभियान, 9 अगस्त को बड़ा फैसला संभव

कांग्रेस भवन में शनिवार को आयोजित बैठक में कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा शुरू किए गए "छात्रों की गूंज" अभियान को हरियाणा के प्रत्येक कॉलेज, विश्वविद्यालय, हॉस्टल और छात्र समुदाय तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक में राजस्थान से सांसद कुलदीप इंदौरा, हरियाणा कांग्रेस के सहप्रभारी जितेंद्र बघेल, अभियान संयोजक निशित कटारिया व गौरव तुशीर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए युवाओं के मुद्दों पर व्यापक जनआंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। राजस्थान से सांसद कुलदीप इंदौरा ने कहा कि आज देश का युवा अधिकार, रोजगार और भविष्य की सुरक्षा की मांग कर रहा है, लेकिन भाजपा सरकार ने उसे केवल वादे, विज्ञापन और निराशा दी है। पार्टी इस अभियान से एक बड़ा मास मूवमेंट खड़ा कर रही है और 9 अगस्त को इस आंदोलन को लेकर महत्वपूर्ण घोषणा की जा सकती है। बैठक में शहरी प्रधान कुलदीप केडी, ग्रामीण अध्यक्ष बलवान रंगा, यूथ कांग्रेस के शहरी प्रधान हन्नी राणा ओर यूथ कांग्रेस (ग्रामीण)अध्यक्ष सुशील हुड्डा मौजूद रहे।



कलानौर में पोलियो प्रोगाम के तहत 4075 बच्चों को दवा पिलाने का रखा लक्ष्य

कलानौर। उप मंडल नागरिक अस्पताल कलानौर में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजीव कुमार मलिक की अध्यक्षता में आशा वर्कर्स को पोलियो प्रोगाम सफल बनाने के ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ संजीव कुमार ने बताया कि भारत पोलियो मुक्त है। लेकिन पोलियो कुछ देशों में अभी भी है और फिर लौट सकता है। अपने बच्चों की सुरक्षा में कोई चुक न होने दें। जसवीर रंगा ने बताया कि उप मंडल नागरिक अस्पताल कलानौर के अंतर्गत 8364 घरों में 0 से 5 साल की उम्र के 4075 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है।

केंद्र सरकार की पीएम मत्स्य संपदा योजना ने नीली क्रांति को दी गति : उपायुक्त सचिन



रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन से सेवानिवृत्ति के बाद भी नई पहचान बनाई जा सकती है। गांव खरखड़ा के 45 वर्षीय पूर्व सैनिक सुनील कुमार ने इसे सच साबित किया है। वर्ष 2017 में भारतीय सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने मत्स्य पालन विभाग और एआरटीआई, हिसार से वैज्ञानिक ढंग से मछली पालन का विशेष प्रशिक्षण लिया। वर्ष 2020 में सुनील ने अपने दो एकड़ के तालाब में 10 से 12 हजार भारतीय प्रमुख कार्प (आईएमसी) बीज डालकर इस व्यवसाय की शुरुआत की। आज वे आधुनिक और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर प्रतिवर्ष लगभग 8 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे उन्हें सारे खर्च निकालकर करीब 4 लाख रुपये का वार्षिक शुद्ध लाभ हो रहा है। उपायुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार की 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' देश में नीली क्रांति को नई गति दे रही है।

सड़क हादसे में राजमिस्त्री गंभीर घायल, केस दर्ज

महम। फरमाणा गांव में बेडवा रोड पर हुए सड़क हादसे में एक राजमिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। महम थाने में दी शिकायत में बैंसी गांव निवासी राजमिस्त्री संजय कुमार पुत्र कृष्ण लाल ने बताया कि वह चिनाई का काम समाप्त करके साढ़े 7 बजे अपने मामा के गांव जा रहा था। जब वह फरमाणा खास में बेडवा रोड गौशाला के पास पहुंचा तो एक मोटर साइकिल चालक ने गफलत व लापरवाही से तेज गति से अपनी मोटर साइकिल चलाते हुए आया, जिसने सीधी उसमें टक्कर मार दी। जिस वजह से उसके शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई हैं। उसको महम के नागरिक अस्पताल में ले जाया गया। उसके बाद चिकत्सकों ने रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक पर केस दर्ज किया है।

परेशानी

करसोला माइनर में पानी न पहुंचने से दोनों गांवों के जलघरों के वाटर टैंक पड़े हैं खाली

फरमाणा खास में एक महीने से और बेडवा गांव में दो माह से नहीं हो रही पेयजल की सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम



■ दोनों गांवों में पीने के पानी के लिए मचा हुआ है हा हाकार



महम। फरमाणा गांव के पास सूखी पड़ी करसोला माइनर तथा खाली वाटर टैंक को दिखाता गांव का युवक। फोटो : हरिभूमि

महम उपमंडल के फरमाणा खास गांव के जलघर में तीन वाटर टैंक हैं, ये तीनों वाटर टैंक एक महीने से खाली पड़े हैं। इसी प्रकार बेडवा गांव के जलघर में एक वाटर टैंक है, जो पिछले दो महीने से खाली पड़ा है। मतलब फरमाणा खास गांव में पिछले एक महीने से पेयजल की सप्लाई बंद है और बेडवा गांव में दो महीने से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी है। फरमाणा खास गांव की सरपंच सविता देवी ने बताया कि उनके गांव के जलघर में करसोला माइनर का पानी आता है। लेकिन करसोला माइनर में पानी नहीं पहुंच रहा। अब एक महीने बाद नहर में पानी आया है। पिछले एक सप्ताह से नहर तो चल रही है, लेकिन करसोला माइनर सूखी पड़ी है। करसोला माइनर में पानी न पहुंचने से जहां किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल रहा, वहीं फरमाणा खास गांव के जलघर में भी पानी नहीं पहुंच रहा। माइनर में पानी पहुंचाने की मांग को लेकर वे जींद में सिंचाई विभाग के एसई, एक्सईएन व एसडीओ को शिकायत दे चुके हैं।

बेडवा में वर्षभर बना रहता है नहरी पानी का टोटा

गांव बेडवा निवासी सतीश कुमार ने बताया कि करसोला माइनर में साल में कभी कभार ही पानी आता है। क्योंकि पास में ही इस माइनर की टेल है। टेल पर जरूरत के समय पानी नहीं पहुंचता और जब जरूरत नहीं होती, तब पानी पर्याप्त मात्रा में आता है। बेडवा गांव के जलघर की मोरी में भी पानी नहीं पहुंचता। जिस वजह से वाटर टैंक खाली रहते हैं। अब भी दो महीने से वाटर वर्कस में नहरी पानी नहीं पहुंचा है। दो महीने से गांव में पेयजल संकट गहराया हुआ है।

नेशनल इंटर स्टेट एथलेटिक्स

डिस्कस थ्रो में हरियाणा की बेटियों का क्लीन स्वीप पोडियम पर तीनों पायदानों पर जमाया कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

डिस्कस थ्रो में सीमा को गोल्ड, साान्या को सिल्वर और निधि को ब्रॉन्ज मिला

ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम में आयोजित हो रही 65वीं नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हरियाणा के खिलाड़ियों का दबदबा लगातार जारी है। चैंपियनशिप के तीसरे दिन डिस्कस थ्रो इवेंट में हरियाणा की बेटियों ने इतिहास रचते हुए मेडल पोडियम के तीनों स्थानों पर कब्जा कर लिया और आगामी एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाइंग स्टैंडर्ड को भी हासिल किया। इसके साथ ही हैमर थ्रो में भी प्रदेश के लाल ने कांस्य पदक जीतकर राज्य का गौरव बढ़ाया है।

एथलेटिक्स हरियाणा के महासचिव प्रदीप मलिक ने बताया कि महिलाओं के डिस्कस थ्रो इवेंट में हरियाणा की तीन एथलीट्स ने शीर्ष तीनों स्थान हासिल कर प्रदेश का नाम देश भर में चमकाया है। भिवानी की सीमा ने 59.73 मीटर की बेहतरीन थ्रो फेंककर पहला स्थान हासिल किया और आइची नगोया (जापान) में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की की। महेंद्रगढ़ की सान्या यादव ने 56.05 मीटर की थ्रो के साथ दूसरा स्थान पाया और एशियन गेम्स क्वालीफाइंग स्टैंडर्ड हासिल किया।

रोहतक की निधि रानी ने 55.92 मीटर की दूरी तय कर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया और एशियन गेम्स का टिकट कटाया। पुरुषों के हैमर थ्रो इवेंट में झज्जर के आशीष जाखड़ ने शानदार खेल दिखाते हुए 67.61 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।





रोहतक। दाएं सीमा भिवानी स्वर्ण पदक और बीच में निधि रानी रोहतक कांस्य पदक एवं बाएं सान्या यादव महेंद्रगढ़ रजत पदक विजेता व आशीष जाखड झज्जर ने हैमर थ्रो इवेंट में कांस्य पदक जीता।

प्रदेश के खिलाड़ी दिखा रहे दमखम

फरीदाबाद से खेल मीडिया प्रभारी सत्यवीर धनखड ने बताया कि इस 5 दिवसीय नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन 24 जून से 28 जून तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में हरियाणा राज्य के खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ दमखम दिखा रहे हैं। इस बार एशियन गेम्स का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आइची नगोया, जापान में होना है, जिसके लिए खिलाड़ी यहां से भारतीय टीम में अपनी जगह सुनिश्चित कर रहे हैं। एएफआई ग्रीवेंस कमेटी के सदस्य राजकुमार मिटान, एथलेटिक्स हरियाणा के अध्यक्ष दिलबाग सिंह, जसवंत सिवाच और टीम कोच व मैनेजर अजय कुमार ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य और आगामी एशियन गेम्स के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व बधाई प्रेषित की हैं।


निखिल


राहुल


निखिल


अखिलेश


सुनील

राज्य कुश्ती चैंपियनशिप में निखिल, अखिलेश, सुनील ने जीता स्वर्ण

रोहतक। हरियाणा राज्य कुश्ती चैंपियनशिप में पूरे प्रदेश से आए पहलवानों ने अपना शानदार दमखम और कौशल दिखाया। शनिवार को आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न भार वर्गों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। चैंपियनशिप के दौरान हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर ने सभी विजेता और प्रतिभागी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। यह प्रतियोगिता जींद जिले के लाजवाना में आयोजित की जा रही है। इसमें रोहतक जिले के मेहर सिंह अखाड़े के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते पदक जीते। कोच रणबीर ढाका, अखाड़ा संचालक मोहित मलिक, कोच सोनू, कोच रिंकू ने विजेता खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। ग्रीको रोमन में 55 किलोग्राम में निखिल ने स्वर्ण पदक जीता और राहुल ने रजत पदक जीता। 97 किलोग्राम में निखिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। 82 किलोग्राम में अखिलेश ने शानदार दांव पेंच लगाते हुए स्वर्ण पदक जीता। 67 किलोग्राम में सुनील ने स्वर्ण पदक जीता।

एमडीयू के विशेष संवाद में बोले एलजी तरनजीत सिंह संधू

एमडीयू कुलपति प्रो. पूनिया ने विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा, उपलब्धियों की जानकारी साझा की

दिल्ली-एनसीआर की समस्याओं के समाधान का केंद्र बने एमडीयू

ग्लोबल नेटवर्किंग से होगी भारतीय शिक्षण संस्थानों की पहचान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

बदलते हुए वैश्विक परिदृश्य में स्थानीय, क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय समस्या-मूलक शोध समय की जरूरत है। साथ ही, शिक्षण संस्थानों को उद्योग जगत-कॉरपोरेट जगत के साथ सहभागिता तथा संयुक्त शोध करना चाहिए। आने वाले समय में भारतीय शिक्षण संस्थानों की विशिष्ट पहचान ग्लोबल नेटवर्किंग से होगी। ये उद्गार दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर सरदार तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में विशेष संवाद सत्र में शैक्षणिक समुदाय के समक्ष व्यक्त किए।

लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि एमडीयू में वैश्विक उत्कृष्टता प्राप्त करने की पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में एमडीयू की विशेष पहचान है, भविष्य में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने की वजह से इस यूनिवर्सिटी को भौगोलिक लाभ है।

दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू ने एमडीयू से दिल्ली राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के समग्र विकास के लिए तथा इस क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए इन्नोवेशन तथा रिसर्च का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एमडीयू की सहभागिता का दिल्ली एनसीआर प्रशासन स्वागत करेगा।

एमडीयू कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा, उपलब्धियों की जानकारी साझा की। कुलपति ने बताया कि मदवि के विद्यार्थी न केवल भारतीय सशस्त्र सेना में करियर बना रहे हैं, बल्कि शैक्षणिक जगत, कॉरपोरेट जगत, वित्त, प्रबंधन, उत्कृष्ट शोध, खेल आदि में भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर रहे हैं।



रोहतक। कार्यक्रम में शिक्षकों से संवाद करते लेफ्टिनेंट गवर्नर सरदार तरनजीत सिंह संधू। फोटो : हरिभूमि

एमडीयू हरियाणा का ही नहीं भारत का प्राइड है

दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर सरदार तरनजीत सिंह संधू ने संवाद कार्यक्रम में भी एमडीयू की भूरि-भूरि प्रशंसा। उन्होंने कहा कि एमडीयू का ग्रीन कैंपस पर्यावरणीय सरोकारों को परिलक्षित करता है। कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया तथा टीम एमडीयू को हार्दिक बधाई देते हुए उन्होंने भविष्य में एमडीयू की ग्लोबल विशिष्ट पहचान की कामना की। लेफ्टिनेंट गवर्नर ने भविष्य में एमडीयू कैंपस में दोबारा आने तथा शिक्षकों-विद्यार्थियों से संवाद करने की इच्छा जताई।

देश की समृद्धि और भाईचारे की मजबूती के लिए की अरदास

रोहतक। दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधु ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में शिक्षा और कौशल विकास (स्किलिंग) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधु शनिवार को रोहतक प्रवास के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रोहतक में आयोजित नवप्रवेशी विद्यार्थियों के इंडक्शन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने मदवि के कुलपति, पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एवं पीजीआईएमएस के निदेशक तथा अन्य वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर राउंड टेबल बैठक में भाग लिया। बाद में उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधु ने गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब में मत्था टेककर देश, प्रदेश और समाज की सुख-समृद्धि के लिए अरदास की। पत्रकारों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि रोहतक आकर गुरुद्वारा में मत्था टेकना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने गुरुद्वारा प्रबंधन समिति एवं हरियाणा के लोगों द्वारा दिए गए आत्मीय स्वागत और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, बाबा कपिल पुरी ने रोहतक आगमन पर दिल्ली के उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू का स्वागत किया।

न्यूज डायरी



द आर्यन ग्लोबल स्कूल में 'जीवन कौशल' पर कार्यशाला, शिक्षकों को मिले सफलता के मंत्र

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए जीवन कौशल विषय पर एक विशेष कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायक कार्यशाला का संचालन मुख्य वक्ता सरबजीत कौर और मधुलिका सिंह द्वारा किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को दैनिक जीवन की चुनौतियों का सामना करने, सही निर्णय लेने और मानसिक रूप से मजबूत बनने के लिए प्रेरित करना था। साथ ही, बच्चों के व्यावहारिक विकास और उन्हें एक संवेदनशील इंसान बनाने पर भी जोर दिया गया। इस दौरान स्कूल के सभी शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल प्रबंधन ने दोनों विशेषज्ञ वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।



रोहतक में विद्यार्थियों के जीवन कौशल विकास के लिए जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम

रोहतक। उपायुक्त रोहतक की प्रेरणा से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सहभागिता और जीवन कौशल को बढ़ावा देने के लिए तीन महीने का पायलट 'प्रोजेक्ट विश्वास' शुरू किया गया है। इसी कड़ी में शनिवार को शहीद कैप्टन दीपक शर्मा पीएम श्री विद्यालय में एक जिला स्तरीय उन्मुखीकरण (ओरिएंटेशन) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डाइट मदीना के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या ऋतु पंघाल ने की, जबकि डॉ. मनजीत कुमार परियोजना के नोडल अधिकारी रहे। जिले के सभी 43 क्लस्टर मुख्य विद्यालयों के प्रमुखों और टीजीटी अध्यापकों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया, जिन्हें डॉ. सुमन लता और जितेंद्र कुमार द्वारा प्रशिक्षित किया गया।



तनावमुक्त शिक्षक, सशक्त शिक्षा' विषय पर पठानिया पब्लिक स्कूल में सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यशाला

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के मानसिक व भावनात्मक स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय 'तनावमुक्त शिक्षक, सशक्त शिक्षा' रहा। कार्यशाला की मुख्य वक्ता ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल (सोनीपत) की प्रधानाचार्या व सीबीएसई रिसोर्स पर्सन डॉ. किरण दलाल थीं। 30 वर्षों का अनुभव रखने वाली डॉ. दलाल ने शिक्षकों को तनाव प्रबंधन के व्यावहारिक गुर सिखाए। स्कूल की प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने कहा कि एक तनावमुक्त शिक्षक ही छात्रों का सर्वांगीण विकास कर सकता है।



बच्चों का उज्ज्वल भविष्य ही विकसित भारत की नींव : संदीप कटारिया

रोहतक। युवा प्रेरक एवं प्रशिक्षक संदीप कटारिया ने चौधरी लखीराम आर्य जगन्नाथ अनाथालय में रह रहे बच्चों एवं युवाओं के लिए स्नेहभोज (लंच) का आयोजन किया। उन्होंने बच्चों को उनकी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पुस्तकें एवं स्टेशनरी सामग्री भी वितरित की। संदीप कटारिया ने कहा कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और अवसर मिलना चाहिए, क्योंकि यही उसके उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियाँ किसी भी बच्चे के सपनों के आड़े नहीं आनी चाहिए। यदि समाज मिलकर ऐसे बच्चों का सहयोग करे, तो वे भविष्य में देश के जिम्मेदार नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे और युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भोजन या सामग्री वितरित करना नहीं, बल्कि बच्चों के मन में शिक्षा के प्रति उत्साह, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की नई आशा का संचार करना था।

रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त संग्रहित

रोहतक। समाज सेवा को समर्पित अपने जन्मदिन पर यूनिवर्सल प्रिसीजन स्कूज के निदेशक विजय जैन ने शनिवार को कंपनी परिसर में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन कराया। शिविर में कर्मचारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 105 यूनिट रक्त संग्रहित किया। विजय जैन ने सभी रक्तदाताओं को बैज पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। जैन ने सती भाई साई दास सेवा दल के सहयोग से पीजीआईएमएस में मरीजों और उनके परिजनों के लिए निशुल्क भोजन वितरण (लंगर सेवा) भी आयोजित की गई। इस सेवा कार्य में उनके पुत्र अमित जैन ने स्वयं मरीजों और उनके परिजनों को भोजन वितरित किया। वक्ताओं ने कहा कि विजय जैन लंबे समय से समाज सेवा, स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय कार्यों में सक्रिय योगदान देकर समाज के लिए प्रेरणा बने हुए हैं।



रक्तदाता के साथ यूनिवर्सल प्रिसीजन स्कूज के निदेशक विजय जैन व अन्य।

उत्तर भारत में सबसे ज्यादा सिलेक्शन देने वाली एकमात्र संस्था

SANGWANS DEFENCE ACADEMY ROHTAK

सॉंगवान डिफेंस अकेडमी

FREE MEDICAL CAMP

Airforce, Navy, NDA, Army, Haryana Police, Delhi Police व Govt. Job की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए आज रविवार 28 जून को अकादमी में Free Health Camp का आयोजन करवाया जा रहा है। डायरेक्टर दिनेश सांगवान ने बताया कि इस कैम्प में ऑर्थो, डेंटल, सर्जरी, आंखों का चैकअप Experienced Doctors की निगरानी में किया जाएगा। अत: इन छात्रों से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर इस कैम्प का लाभ उठाएं।

OUR BATCHES

HARYANA POLICE
HSSC / SSC
DELHI POLICE
NDA / NAVY / ARMY
RAILWAY POLICE
SSC GD / AIRFORCE

पिछले 21 वर्षों में 15,000 से अधिक बच्चों का सिलेक्शन गर्वनमेंट जॉब में हो चुका है।

2 Day Free Demo Class
All Competitive Exam, Revision, Regular Test Doubt Session, Special Classes

FREE PHYSICAL COACHING

COACHING, PHYSICAL, HOSTEL

WHY CHOOSE SANGWAN DEFENCE ACADEMY
- बच्चों की फोन की आदत छुड़वाई जाती है
- बच्चों सुबह 8 बजे से देर रात तक बच्चों को पढ़ाया जाता है।
- बच्चों की रिपोर्ट पैरेंट्स तक पहुंचाई जाती है।
- लाइब्रेरी एवं स्टडी मटेरियल

Selection नहीं Fee नहीं

ADMISSION OPEN



FACILITIES :
- NDA, CDS, Air Force, Navy, Army GD Agniveer की तैयारी
- अनुभवी फैकल्टी द्वारा मार्गदर्शन
- नियमित टेस्ट सीरीज
- फिजिकल ट्रेनिंग (Running, Ground Practice)
- SSB Interview Guidance
- एयर-कंडीशन्ड क्लासरूम
- डिजिटल/स्मार्ट क्लास
- करियर काउंसलिंग
- अनुशासित एवं सकारात्मक अध्ययन वातावरण



DINESH SANGWAN
(Submariner Indian Navy (Retd.))
DIRECTOR
9346711471

Address : Near Vita Plant, Gohana Road, Rohtak (Haryana)
Ph. : 8199997460, 61, 9729968722, 11

मानसरोवर पार्क व पीजीआई के साथ निर्माणाधीन पार्क का आयुक्त ने किया निरीक्षण

निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के अंदर व गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए : नरेन्द्र कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर के सौंदर्यीकरण, हरित क्षेत्र के विकास एवं स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शनिवार को नगर निगम आयुक्त नरेन्द्र कुमार ने विभिन्न विकास कार्यों एवं पार्कों का निरीक्षण किया गया तथा कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया गया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए व कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करवाए जाए। नगर निगम आयुक्त नरेन्द्र कुमार ने बताया कि सबसे पहले मानसरोवर पार्क का निरीक्षण किया, जिस दौरान पार्क में बच्चों के मनोरंजन एवं शारीरिक विकास के लिए विकसित किए गए विशेष चिल्ड्रन प्ले जोन का अवलोकन किया गया। इसके अतिरिक्त पार्क में नागरिकों के बैठने एवं विश्राम हेतु स्थापित सोलर पार्क गजेबो की व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। अंत में मेडिकल मोड़ पर निर्माणाधीन पार्क में चल रहे विकास कार्यों की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसी को निर्देश दिए गए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के अंदर व गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए। निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही पूरे किए जाएं।



रोहतक। विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण करते नगर निगम आयुक्त नरेन्द्र कुमार।

आकाश पर पहुंची बिजली डिमांड



देर रात ब्लैक आउट

डाउन करना पड़ा पावर हाउस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। अप्रैल में जहां प्रतिदिन 60 से 65 लाख यूनिट बिजली की जरूरत थी, वहीं जून के अंतिम सप्ताह में यह बढ़कर 95 से 97 लाख यूनिट प्रतिदिन तक पहुंच गई है। बिजली निगम इस बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन बढ़ते लोड के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती तथा रात के समय कम वोल्टेज की समस्या सामने आ रही है। बिजली निगम के अधिकारियों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई तो जुलाई में बिजली की मांग 99 लाख यूनिट प्रतिदिन से भी अधिक पहुंच सकती है। ऐसी स्थिति में मौजूदा संसाधनों से निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होगा।

सिटी पल्स

4 साल में अप्रैल से जून तक बिजली की आपूर्ति

वर्ष	अप्रैल	मई	जून
2022	50-52	55-56	60-62
2023	51-55	55-56	60-62
2024	55-56	58-60	62-64
2025	57-60	60-62	65-70
2026	70-75	80-82	90-97

(खपत प्रतिदिन यूनिट)

18 जून से 27 तक खपत (रोज)

18	87.72	23	86.60
19	86.86	24	90.37
20	92.53	25	94.42
21	90.40	26	96.78
22	81.03	27	97.50

सीधी बात
बिजेंद्र नरवाल एसई

सवाल : जून में ट्रांसफार्मर बार-बार क्यों गर्म हो रहे हैं।
जवाबः तापमान बढ़ने से ट्रांसफार्मर ज्यादा हीट लेते हैं और लगातार बढ़ते लोड का दबाव भी उन पर पड़ता है।
सवाल : बिजली कटौती की नौबत क्यों आ रही है।
जवाबः गर्मी में बिजली की डिमांड अचानक बढ़ जाती है। ज्यादा लोड होने पर सिस्टम ओवरलोड हो जाता है और मजबूरन सप्लाई बंद करनी पड़ती है।



सवाल : क्या आने वाले दिनों में समस्या और बढ़ सकती है।
जवाबः हां, अभी डिमांड और बढ़ने की संभावना है, इसलिए बिजली व्यवस्था पर दबाव और बढ़ सकता है।
सवाल : बिजली निगम के सामने सबसे बड़ी चुनौती क्या है।
जवाबः बढ़ती मांग के अनुसार लगातार बिजली उपलब्ध कराना और ओवरलोडिंग से सिस्टम को बचाए रखना सबसे बड़ी चुनौती है।
सवाल : समाधान क्या है।
जवाबः उपभोक्ता यदि बिजली की खपत में थोड़ी कमी करें, अनावश्यक एसी-कूलर और भारी उपकरण कम चलाएं, तो स्थिति को काफी हद तक संभाला जा सकता है।

बारिश नहीं हुई तो जुलाई माह में और बढ़ेगी चुनौती
अधिकारियों का मानना है कि उमस बढ़ने के साथ एसी और कूलर का उपयोग और बढ़ेगा, जिससे बिजली की मांग में और इजाफा होगा। यदि मानसून समय पर सक्रिय नहीं हुआ तो जुलाई में बिजली आपूर्ति बनाए रखना निगम के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

पुराना इंफ्रास्ट्रक्चर भी बन रहा परेशानी की वजह
बढ़ते लोड का दबाव पुराने ट्रांसफार्मरों और केबलों पर साफ दिखाई दे रहा है। अधिक लोड के कारण बार-बार ट्रिपिंग की समस्या आ रही है और कई स्थानों पर ट्रांसफार्मर फुंकने की घटनाएं भी सामने आती हैं। खासकर रात के समय जब अधिकांश घरों में एसी चलते हैं, तब बिजली व्यवस्था पर सबसे ज्यादा दबाव पड़ता है।

कर्मचारियों की कमी से बढ़ रही दिक्कत
रात के समय बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए विभाग के पास सीमित कर्मचारी उपलब्ध हैं। शिकायतें लगातार बढ़ने के बावजूद पर्याप्त मैनपावर नहीं होने से लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पा रहा।

चार वर्षों में लगातार बढ़ती ही जा रही बिजली की खपत
बिजली निगम के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले चार वर्षों में अप्रैल से जून के बीच बिजली की मांग लगातार बढ़ी है। वर्ष 2022 में जून के दौरान प्रतिदिन 60 से 62 लाख यूनिट की खपत थी, जो 2026 में बढ़कर 90 से 97 लाख यूनिट प्रतिदिन तक पहुंच गई है। इससे साफ है कि हर वर्ष बिजली व्यवस्था पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

बच्चे और बुजुर्गों को होती परेशानी
रात के समय सबसे ज्यादा परेशानी होती है। कई बार बिजली बार-बार चली जाती है, इससे छोटे बच्चों और बुजुर्गों को गर्मी में काफी दिक्कत होती है। बिजली कटने से इनवर्टर भी ज्यादा देर साथ नहीं देता। गर्मी के मौसम में लोगों को निर्बाध बिजली मिलनी चाहिए। -अजय



कम वोल्टेज से नहीं चल पाते उपकरण
गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की कटौती भी बढ़ गई है। दिन में दुकान और रात में घर, दोनों जगह परेशानी झेलनी पड़ रही है। कम वोल्टेज के कारण बिजली के उपकरण सही तरीके से काम नहीं करते और कारोबार भी प्रभावित होता है। यदि मांग बढ़ रही है तो बिजली निगम को पहले से पर्याप्त इंतजाम करने चाहिए। ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों को मजबूत किया जाए ताकि बार-बार ट्रिपिंग और कटौती से लोगों को राहत मिल सके। -सुरेश कुमार



खबर संक्षेप

तीन ट्रैक्टरों की बैटरियां चोरी, अज्ञात पर केस दर्ज
रोहतक। लाखन माजरा थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने तीन ट्रैक्टरों की बैटरियां चोरी कर लीं। इस संबंध में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, खरक जाटान निवासी नरेंद्र पुत्र बलजीत ने शिकायत दी कि उसके तीनों ट्रैक्टर घर के बाहर गली में खड़े थे। रात के दौरान अज्ञात चोर तीनों ट्रैक्टरों की बैटरियां चोरी कर फरार हो गए। सुबह घटना का पता चलने पर उसने पुलिस को सूचना दी। लाखन माजरा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया है।

ई-रिक्शा में जा रही युवती से बैग झपटा
रोहतक। कन्हेली पुल के समीप ई-रिक्शा में घर लौट रही एक युवती से बाइक सवार दो नकाबपोश युवकों ने बैग झपट लिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, शीतल नगर निवासी मुस्कान ने शिकायत में बताया कि वह गुरुग्राम से दिल्ली बाईपास पहुंची थी। रात करीब 9:30 बजे वह ई-रिक्शा से घर जा रही थी। जैसे ही ई-रिक्शा कन्हेली रोड पर आगे पहुंचा, बाइक पर सवार दो नकाबपोश युवक उसके हाथ से बैग छीनकर फरार हो गए। मुस्कान ने बताया कि बैग में लैपटॉप चार्जर, हेडफोन, ईयरबड्स, छोटा पर्स, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तथा नकदी रखी हुई थी।

धान की पौध लेने गए किसान की बाइक चोरी
रोहतक। सदर थाना क्षेत्र में धान की पौध लेने गए एक युवक की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गांव चमारिया निवासी कृष्ण ने शिकायत में बताया कि वह दोपहर करीब 2 बजे अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से मकड़ौली धान की पौध लेने गया था। अपनी बाइक दिलावर की कोठड़ी के पास खड़ी की थी। कुछ समय बाद लौटने पर बाइक मौके से गायब मिली। काफी तलाश के बावजूद बाइक का कोई सुराग नहीं मिलने पर कृष्ण ने पुलिस को शिकायत दी।

सड़कों की सफाई ठेका या धोखा

कंपनी ने किया था 340 कर्मचारियों की तैनाती का दावा, पार्षदों का आरोप 150 भी दिखाई नहीं दे रहे

37 करोड़ में पांच साल के लिए दिया गया है सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों की सफाई का टेंडर

पार्षदों ने निगम से मांगी कर्मचारियों की जानकारी, कई सप्ताह बाद भी नहीं मिली

रोहतक। शहर की सफाई के नाम पर ठेका दिया गया है या धोखा हो रहा है, यह लोगों को समझ नहीं आ रहा। प्राइवेट कंपनी के रिकार्ड में शहर की सड़कें हर सुबह चमकती हैं, लेकिन हकीकत में धूल, कचरा और गंदगी दिखाई देती है। नगर निगम ने पांच साल के लिए सफाई का ठेका दिया था, जिसमें 340 सफाई कर्मचारियों की तैनाती का दावा किया गया। कंपनी ने प्रमुख सड़कों, बाजार और रिहायशी कॉलोनियों की गलियों की सफाई के लिए कार्य लिया गया है। लेकिन शहर के अलग-अलग वार्डों में पार्षदों और लोगों का कहना है कि मौके पर मुश्किल से 150 कर्मचारी ही दिखाई देते हैं। कई पार्षदों ने तो निगम आयुक्त को पत्र लिखकर कर्मचारियों की जानकारी भी मांगी है लेकिन अभी तक उन्हें पूरे कर्मचारियों की जानकारी नहीं मिली है। रोहतक शहर की सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। नगर निगम ने करीब 37 करोड़ रुपये की लागत से पांच वर्षों के लिए शहर की मुख्य सड़कों, बाजारों और कॉलोनियों की सफाई का ठेका निजी एजेंसी को दिया था। टेंडर की शर्तों के अनुसार शहर में 340 सफाई कर्मचारियों की तैनाती की जानी थी, लेकिन पार्षदों का आरोप है कि जमीन पर आधे से भी कम कर्मचारी काम करते दिखाई देते हैं।

अलग खबर

पार्षदों का आरोप है कि निगम प्रशासन पारदर्शिता बरतने के बजाय मामले को टाल रहा है। उनका कहना है कि यदि कर्मचारियों की संख्या पूरी नहीं है तो ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और यदि पूरी संख्या में कर्मचारी मौजूद हैं तो यह स्पष्ट किया जाए कि वे काम कहां कर रहे हैं।



सवालों के घेरे में सफाई व्यवस्था
1.37 करोड़ रुपये में पांच वर्षों के लिए दिया गया सफाई ठेका।
2.टेंडर में 340 सफाई कर्मचारियों की तैनाती का प्रावधान।
3.पार्षदों के अनुसार, मौके पर करीब 150 कर्मचारी ही दिखाई देते हैं।
4.कई सप्ताह पहले मांगी गई कर्मचारियों की सूची अब तक उपलब्ध नहीं।
5.आयुक्त को पत्र लिखकर पारदर्शिता और नियमित सफाई की मांग।
6.मानसून से पहले सफाई व्यवस्था सुधारने पर जोर, ताकि जलभराव और गंदगी की समस्या न बढ़े।

लोगों के लिए परेशानी
शहर के कई वार्डों में सफाई व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है। मुख्य सड़कें, बाजार और कॉलोनियां नियमित सफाई के अभाव में गंदगी से अटी पड़ी हैं। लोगों का कहना है कि कई-कई दिनों तक सफाई कर्मचारी नहीं पहुंचते, जिससे कूड़े के ढेर और धूल लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। नगर निगम के कई पार्षदों ने कर्मचारियों की वास्तविक संख्या और उनकी तैनाती का पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि वास्तव में 340 कर्मचारी कार्यरत हैं तो उनकी ड्यूटी, उपस्थिति और वार्डवार तैनाती सार्वजनिक की जानी चाहिए। इस संबंध में कई सप्ताह पहले निगम अधिकारियों को पत्र भी भेजे गए, लेकिन अब तक कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

ठोस कदम उठाए जाने चाहिए

सफाई व्यवस्था सुचारु रुप से नहीं चल रही। कंपनी ने जो कर्मचारी नियुक्त किए हैं, वह ढंग से काम नहीं कर पा रहे। सफाई कर्मचारियों की संख्या बहुत कम होती है जिसकी वजह से सफाई प्रभावित हो रही है। सफाई के लिए और ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। इसके अलावा आमजन को पानी नहीं मिल रहा। सीवर तक की सफाई नहीं हो पा रही है। -विजय कुमार गोयल, पार्षद-वार्ड 19



शोपीस बनीं स्वीपिंग मशीनें

पार्षदों ने रोया रोना

निगम को अतिरिक्त कर्मचारी देने चाहिए
मेरे वार्ड में गंदगी बहुत ज्यादा है। कच्ची गलियां हैं। यहां सफाई कर्मचारियों की ज्यादा जरूरत है। निगम को अतिरिक्त कर्मचारी देने चाहिए। -रिंकू देवी , पार्षद वार्ड नम्बर 04

कोई सुनवाई नहीं हो रही
मेरे वार्ड में सफाई नहीं हो पा रही। कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं हो पा रहा। जगह-जगह गंदगी होने से लोगों को दिक्कतें हो रही हैं। -सुरेश किराड़, वार्ड नम्बर 05

किसी प्रकार की समस्या नहीं
मेरे वार्ड में निरंतर सफाई चल रही है। जहां से शिकायतें मिलती हैं, वहां सफाई करवा दी जाती है। कहीं किसी प्रकार की समस्या नहीं है। -सुशील नांदल, पार्षद, वार्ड 12

कूड़े के ढेर लगे
हमारे वार्ड में गलियों की सफाई समय पर नहीं हो पा रही। कूढे के ढेर लगे हुए हैं, जिन्हें नहीं उठाया जा रहा। डोर टू डोर के लिए आने वाली गाड़ियों के कर्मचारी कूड़ा नहीं उठाते। जबकि गाड़ी के सहायक की जिम्मेदारी कूड़ा उठाकर गाड़ी में डालने की है। निगम को समस्या को समाधान करना चाहिए। -अनिता मिगलानी, पार्षद, वार्ड 15

पीजीआईएमएस का नया लोगो हर मरीज के मुस्कान की गारंटी : डॉ. अग्रवाल

रोहतक। पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज पीजीआईएमएस रोहतक का नया लोगो आज सिर्फ दीवारों पर लगा निशान नहीं, बल्कि चिकित्सकों और हरियाणा के आम आदमी के लिए उम्मीद और भरोसे का प्रतीक बन गया है। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल और निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने आम जनता को संबोधित करते हुए कहा कि इस लोगो का हर रंग, हर रेखा मरीजों के प्रति सेवा, समर्पण, उत्कृष्टता' के हमारे वादे को दोहराती है। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि हमारा नया लोगो किताबी नहीं है, यह सीधे आपके दिल से बात करता है। लोगो के बीचों-बीच उगता हुआ सूरज देखिए। डॉ. अग्रवाल बोले कि यह सूरज बताता है कि चाहे रात कितनी भी काली हो, पीजीआईएमएस में इलाज की नई सुबह जरूर होगी। यहां आने वाले हर मरीज के लिए हम नई जिंदगी की किरण लेकर बैठे हैं। सूरज के नीचे खिला हुआ फूल पवित्रता और चिकित्सा ज्ञान के प्रकाश की निशानी है। निदेशक डॉ. एस.के. सिंघल ने समझाया कि कमल कीचड़ में खिलकर भी साफ रहता है।

महिला एवं किशोरी सम्मान योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं पात्र
रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से महिला एवं किशोरी सम्मान योजना प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है। उन्होंने जिला की पात्र महिलाओं एवं किशोरियों से इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। सचिन गुप्ता ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। योजना के तहत जिले के बीपीएल परिवारों की 10 से 45 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं एवं किशोरियों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रत्येक माह निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जाते हैं। पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ सुनिश्चित करने के लिए विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया निरंतर जारी है।



उपायुक्त सचिन गुप्ता

राजेश जैन के जन्मदिवस पर एमटीएफसी में 150 सफल पूर्व विद्यार्थियों का होगा सम्मान
रोहतक। कन्हैली रोड स्थित एमटीएफसी (मेक द फ्यूचर ऑफ कंट्री) संस्था की ओर से 28 जून (रविवार) को प्रातः 10 बजे स्वर्गीय मुलख राज धर्मीजा मल्टी पर्पज हॉल में 150 सफल पूर्व विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम एलपीएस बोसार्ड प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक एवं समाजसेवी राजेश जैन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। संस्था के प्रधान नरेश ढल ने बताया कि समारोह में एमटीएफसी के 150 सफल पूर्व विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों और समाज में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश जैन विद्यार्थियों को शिक्षा, कौशल विकास और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देंगे। समारोह में पूर्व एवं वर्तमान विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षाविद्, समाजसेवी तथा विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक भी शामिल होंगे। सभी अतिथियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। नरेश ढल ने बताया कि राजेश जैन शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय हैं तथा एमटीएफसी के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन में संस्था के विद्यार्थियों ने समाजसेवी संगठनों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से संयुक्त वेबसाइट और वीडियो तैयार करने में भी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि यह समारोह पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों का सम्मान करने के साथ-साथ वर्तमान विद्यार्थियों को शिक्षा, नवाचार और समाजसेवा के प्रति प्रेरित करने का भी महत्वपूर्ण अवसर होगा।



राजेश जैन

कुलपति डॉ. अग्रवाल व कुलसचिव डॉ. रूप सिंह ने दी बधाई

पीजीआई में पहली बार बनी नॉन टीचिंग कर्मियों की क्रिकेट टीम

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में पहली बार नॉन-टीचिंग कर्मचारियों की पुरुष क्रिकेट टीम का गठन किया गया है। 19 अप्रैल 2026 को हुए ट्रायल के बाद 16 खिलाड़ियों की मुख्य टीम और 4 अतिरिक्त खिलाड़ियों का चयन किया गया। इस ऐतिहासिक पहल पर कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल और कुलसचिव डॉ. रूप सिंह ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी। गौरतलब है कि खेल शाखा द्वारा 22 अप्रैल 2026 को जारी आदेश संख्या स्पोर्टस/2026/43 के अनुसार रविंदर सिंह को टीम का कप्तान बनाया गया है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि काम के साथ-साथ खेल भी जरूरी है। उन्होंने खेल समिति के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि डॉक्टर मरीजों का इलाज करते हैं, लेकिन अस्पताल को चलाने में नॉन-टीचिंग स्टाफ की रीढ़ की हड्डी जैसी भूमिका है। कुलसचिव डॉ. रूप सिंह ने बताया कि टीम को विश्वविद्यालय के क्रिकेट ग्राउंड में सुबह या शाम 5 बजे के बाद और शनिवार-रविवार व अवकाश के दिन प्रैक्टिस की अनुमति दी गई है।



मुख्य टीम में ये शामिल
मुख्य टीम में सुनील सिंह, नरेंदर सिंह, दीपक , अंकित, रवि, राकेश कुमार यादव , सुमित चौधरी, भूपेंद्र शर्मा, प्रवीण कुमार, राजबीर, सुरेंदर, अनूप सैनी, श्रीभगवान, पंकज कुमार, वीरेंद्र हुड्डा शामिल हैं। बाद में 26 जून 2026 को जारी आदेश में देव दत्त, पंकज कुमार, जयबीर सिंह और अमित को भी टीम में जोड़ा गया। टीम गठन से पीजीआईएमएस के नॉन-टीचिंग कर्मचारियों में खासा उत्साह है। नव-नियुक्त कप्तान रविंदर सिंह ने कहा कि कुलपति और कुलसचिव महोदय के आशीर्वाद से टीम पूरी मेहनत से खेलेगी और संस्थान का नाम ऊंचा करेगी। खेल अधिकारी ने बताया कि जल्द ही टीम की किट और अभ्यास सत्र शुरू किए जाएंगे।

गांधी कैंप में शव मिलने से सनसनी
रोहतक। गांधी कैंप क्षेत्र में शनिवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक को देर रात इलाके में शराब के नशे की हालत में घूमते देखा गया था। सुबह जब लोग वहां से गुजरे तो व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो उसकी मौत हो चुकी थी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया गया है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि व्यक्ति की मौत किन परिस्थितियों में हुई।



हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

सद्भाव यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस का गांव-गांव संपर्क अभियान, भाजपा पर साधा निशाना

हुड्डा का घटता कद देख साथ छोड़ने लगे समर्थक

- रोहतक में बीरेंद्र सिंह और बृजेंद्र सिंह की बैठक, छह माह तक 90 विधानसभा क्षेत्रों में संगठन मजबूत करने का आह्वान
- पूर्व सीएम हुड्डा के ओएसडी एमएस चौपड़ा मीटिंग में शामिल होने पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक



रोहतक। आयोजित कार्यक्रम समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह। **फोटो: हरिभूमि**

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीरेंद्र सिंह डूमरखां तथा पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने शनिवार को रोहतक स्थित गरिमा गार्डन में समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर सद्भाव यात्रा की सफलता की समीक्षा की और आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में संगठन को मजबूत करने, गांव-गांव जनसंपर्क बढ़ाने तथा सामाजिक भाईचारे के संदेश को आगे ले जाने पर जोर दिया गया। इस दौरान पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा के ओएसडी रहे एमएस चौपड़ा भी मीटिंग में भाग लेने पहुंचे। उन्हें देखकर ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि हुड्डा का घटता कद देखते हुए समर्थक साथ छोड़ रहे हैं। बैठक में पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में निकाली गई सद्भाव यात्रा को लोगों का व्यापक समर्थन मिला। यात्रा की शुरुआत 5 अक्टूबर 2025 को नरवाना विधानसभा क्षेत्र के गांव दानौदा स्थित बिनैन खाप के चबूतरे से हुई थी, इसका समापन 23 मई 2026 को रोहतक में हुआ। इस दौरान यात्रा में समाज के हर वर्ग से जुड़े अनेक मुद्दे सामने आए, जिन्हें कांग्रेस भविष्य की राजनीति में प्रमुखता से उठाएगी। बृजेंद्र सिंह ने 8 मई को गुरुग्राम में सद्भाव यात्रा में शामिल हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद यह उनकी हरियाणा में पहली सार्वजनिक सभा थी। उन्होंने न केवल सद्भाव यात्रा की सराहना की बल्कि देशभर के युवाओं से भी ऐसी यात्राएं निकालने का आह्वान किया। बृजेंद्र सिंह ने कहा कि राहुल गांधी का यह संदेश कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए नई ऊर्जा लेकर आया है।

यह रहे बैठक में मौजूद
बैठक में पूर्व विधायक अतर सिंह सैनी, रण सिंह मान, शमशेर सिंह गोगी, जयतीर्थ दहिया, शिव शंकर भारद्वाज, महेंद्र सिंह चोपड़ा, संदीप नेहरा, विनय सिंह यादव, भरत सिंह बावल, निर्मल सिंह, अमित काजल, दीपक मलिक, सुरेंद्र, सुरेंद्र दहिया, दलबीर फौगाट, प्रमोद नांदल, सविता कुंडू, रजिया बानो, दीपिका यादव, प्रियंका हुड्डा, प्रदीप जैलदार और जयदेव मलिक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। मीडिया प्रभारी एडवोकेट अमित काजल ने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत किया।



हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह विफलः कौशिक
रोहतक। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रवक्ता कृष्ण कौशिक ने प्रदेश में बढ़ते अपराधों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है और सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। उनका आरोप है कि लगातार व्यापारियों और जनप्रतिनिधियों को निशाना बनाए जाने से स्पष्ट है कि अपराधियों के मन में कानून का कोई डर नहीं रह गया है। कौशिक ने कहा कि इनेलो के युवा जिला अध्यक्ष बल्लू खेड़ी साध के परिवार को जान से मारने की धमकी तथा कांग्रेस विधायक बलराम दांगी से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने जैसी घटनाओं ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

मन-जीवन को कर रहा अशांत
सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस





{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।



बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।



खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना



दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।



भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

{ अचीवमेंट / संजय श्रीवास्तव }

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहासः जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।



बहुपयोगी है इसकी तकनीकः गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिवः गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसारः देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *



{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

{ व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा }

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला



आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

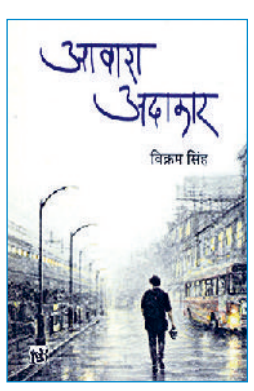
शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *



{ पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी }

संवेदना-संघर्ष का कथालोक



हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तकः आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखकः** विक्रम सिंह,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026



{ टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी }

बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

मिनी मालदीव जैसा तर्कारली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्कारली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्कारली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुडाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान



स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप



भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक



कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम



जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

अनिश्चित परिस्थितियों में ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

{ अवेयरनेस / शिखर चंद जैन }



हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव: युद्ध और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी का रुख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।



इमरजेंसी फंड: आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

सुरक्षित निवेश: संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

लोन-ईएमआई का प्रबंधन: बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग: वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

आय के नए स्रोत अपनाएं: नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं: हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

पर्याप्त बीमा कवर करें: अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं: महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

{ प्रकृति / अंजू जैन }

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।



नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया: कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल हैं। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।



ली नदी, चीन: चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

सोका नदी स्लोवेनिया: यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।



फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली: फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलेर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *



अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट



अपने देश के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।



{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।



'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

सब मैनेज करना पड़ता है

आलिया सक्सेसफुल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।